

कृषि प्रदर्शनी-२०२३ का उद्घाटन



नागपुर : मध्य भारत की सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी और विदर्भ में कृषि परिवर्तन के अग्रदूत, एग्रोविजन एक्सपो का उद्घाटन समारोह पीडीकेवी ग्राउंड, दाभा, नागपुर में गुजरात के राज्यपाल मा. श्री आचार्य देवव्रत तथा केंद्रीय सड़क एवं राजमार्ग मंत्री तथा एग्रोविजन के मुख्य संरक्षक श्री नितिनजी गडकरी इनके शुभ हस्तों से किया गया।

इस अवसर पर यू पी पल के अध्यक्ष श्री आर. डी. शॉफ, एग्रोविजन के संगठन सचिव रवि बोरकर, आयोजन सचिव रमेश मानकर, एग्रोविजन सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ. सी डी माई, एग्रोविजन फाउंडेशन सदस्य सुधीर दिवे, आनंदराव राऊत, डॉ. सहतपुरे, कैप्टन कलंत्री, श्रीश भगत, देवेन्द्र पारेख, रामबाबू कदम, नवीन मालेवार, एलोरकर, डॉ. खवले, हितेंद्र सिंह, पूर्व विधायक श्री आशीष देशमुख, डॉ. विकास महात्मे, कृपालजी तुमाने, एवं अन्य अतिथि गण उपस्थित थे।

एग्रोविजन की शुरुआत १३ साल पहले विदर्भ के किसानों को शिक्षित, सशक्त और करने के एकमात्र उद्देश्य से की गई थी। बहुत कम समय में यह मध्य भारत की सबसे बड़ी कृषि प्रदर्शनी बन गई है।

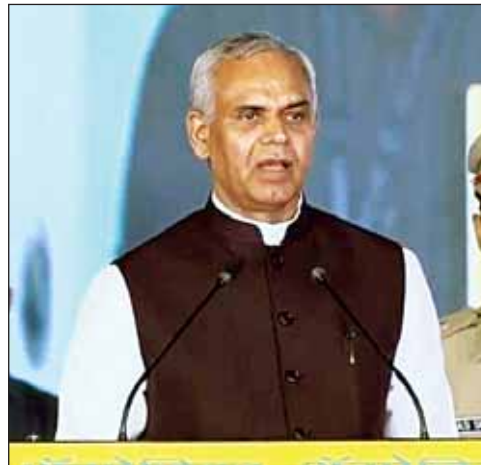
गडकरीजी ने कहा, कृषि

१४वें एग्रोविजन में नई पहल

- कृषि में आईटी
- कृषि में स्टार्ट-अप
- एनएसआईसी मंडप
- एमएसएमई मंडप
- लाइव स्टॉक मंडप

प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने वाली कार्यशालाएँ, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कृषि आधारित उत्कृष्ट अत्याधुनिक तकनीक प्रस्तुत करने वाले स्टॉल, में नवीनतम विषयों पर कार्यशालाएँ और कृषि को प्रोत्साहित करने वाले सम्मेलन विदर्भ के उद्योग के साथ-साथ कृषि प्रौद्योगिकी नवाचार और एमएसएमई पर विशेष जोर इस प्रदर्शनी की विशेषताएँ होंगी।

कृषि प्रदर्शनी २७ नवंबर तक नागपुर के पीडीकेवी ग्राउंड, दाभा में



एग्रोविजन अपनी स्थापना से ही किसानों के लिए निःशुल्क कार्यशालाएँ आयोजित करता रहा है। कार्यशालाओं में एग्रोविजन का मुख्य उत्पादन तकनीक, नई कृषि पद्धतियों, संबद्ध व्यवसायों, अत्याधुनिक तकनीक, बाजार सुविधाओं और पशुधन प्रबंधन और बुनियादी ढांचे पर होगा। किसानों की आय बढ़ाने के साथ खेती को

आसान बनाने के उद्देश्य से इन कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष एग्रोविजन सलाहकार समिति द्वारा चयनित ३० से अधिक पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। किसानों को देश भर के विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त करने और किसानों की सफलता की कहानियों से ज्ञान प्राप्त

करने का अवसर मिलेगा। किसानों के लिए उपयोगी विषयों पर कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।

एग्रोविजन में मेगा प्रदर्शनी एक प्रमुख आकर्षण है जो कॉर्पोरेट, और राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, शैक्षिक संस्थानों, वित्तीय संस्थानों, एमएसएमई

पिछले १३ वर्षों में एग्रोविजन का प्रभाव

- शुष्क की खेती बागवानी की ओर स्थानांतरित हो रही है
- किसान डेयरी, पोल्ट्री और मछली पालन जैसे नए रास्ते अपना रहे हैं
- कृषि समुदाय द्वारा सूक्ष्म सिंचाई, स्वचालन आदि जैसी नई प्रौद्योगिकियों की बढ़ती मांग
- कृषि यंत्रीकरण का बाजार विस्तारित हुआ
- युवा विद्यार्थियों में कृषि के प्रति रुचि बढ़ी है
- आबादी कृषि के प्रति अधिक जागरूक हो गई है
- विदर्भ में कृषि पर्यटन गति पकड़ रहा है
- कृषि-व्यवसाय में महिला उद्यमियों का उल्लेखनीय योगदान देखा गया है
- फसल विविधीकरण में अत्यधिक वृद्धि देखी गई है
- खेती को अधिक किफायती बनाने के लिए बड़ी संख्या में किसानों ने अनुबंध खेती चुना है।

और स्वयं सहायता समूहों सहित विभिन्न प्रकार के प्रतिभागियों को आकर्षित करती है। यह राष्ट्रीय एक्सपो, जो नवीनतम तकनीक, विशेषज्ञता, अनुभव और व्यवसाय का मिश्रण है, हर साल किसानों को आकर्षित करता है और प्रत्येक संस्करण के साथ इसकी लोकप्रियता आसमान छूती रहती है। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एक्सपो के रूप में, एग्रोविजन देश भर के कृषकों को अद्यतन और सशक्त बनाए रखने के लिए नवीनतम तकनीक, विशेषज्ञता, अनुभव और व्यवसाय का सहज मिश्रण

करता है। पूरे देश में को अपडेट करने में अपनी भूमिका के अलावा, यह एक्सपो जबरदस्त व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

एग्रोविजन महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा जिलों और एमपी, छत्तीसगढ़, एमपी के आसपास के जिलों और यहां तक कि हरियाणा, यूपी, बिहार आदि जैसे दूर के राज्यों के लाखों किसानों से जुड़ने का एक शानदार अवसर है। यह एक अनूठा मंच है कृषि समुदाय के लोगों से करें।



हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए उपयोगी वराई

‘भगर’ वराई से बना है। हमारे राज्य में व्रत-उपवास में बड़ी मात्रा में भगर का सेवन किया जाता है।

वरई फसल का महत्व : वरई को पचना आसान होता है क्योंकि इसमें ग्लूटेन नहीं होता है और इसमें प्रोटीन और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। किशमिश में भरपूर मात्रा में आयरन मौजूद होता है जो शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ाने में उपयोगी होता है। गेहूं में विटामिन बी-३, सी, ए आदि प्रचुर मात्रा में होते हैं। गेहूं में पोटैशियम, आयरन, जिंक और कैल्शियम जैसे खनिज तत्व उपलब्ध होते हैं। जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आहार में वरई अनाज का सेवन हृदय संबंधी बीमारियों को नियंत्रित करने में फायदेमंद है। यह शरीर में जमा वसा की मात्रा को कम करने में अहम भूमिका निभाता है। वराई एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है। यह त्वचा और बालों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। वराई में सभी पोषक तत्वों को ध्यान में रखते हुए, यह रक्त कोलेस्ट्रॉल, शर्करा स्तर, पेट और पाचन विकारों को कम करने में मदद करता है।

वारी/वरई/कुटकी (छोटा बाजरा) : यह घास परिवार की फसल है और इस फसल का वैज्ञानिक नाम पैनिकम सुमट्रेंस है। इस फसल की खेती मुख्य रूप से पश्चिमी घाट डिवीजन, उप-पर्वतीय डिवीजन और कोंकण डिवीजन के कृषि-जलवायु डिवीजन के पहाड़ी क्षेत्रों में की जाती है, जहां अधिक वर्षा होती है। वारी महाराष्ट्र में खरीफ सीजन में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण अनाज फसलों में से एक है। यह क्षेत्र के आदिवासी और स्थानीय किसानों के लिए एक प्रमुख पौष्टिक अनाज की फसल है।

पौष्टिक अनाज फसलों का सांस्कृतिक महत्व : कम समय में पकने वाली फसलें हल्की मिट्टी में सबसे अच्छी होती हैं। बड़ते मौसम के दौरान न्यूनतम इनपुट का उपयोग करके विकास पूरा करता है। उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ खेती की गई, बेहतर प्रतिक्रियाशील और अधिक उपज देने वाली फसलें हैं। बदलती जलवायु के अनुकूल फसलों के साथ-साथ आकस्मिक खेती की योजना बनाई जा सकती है। अपने अच्छे पोषण गुणों के कारण ये स्वास्थ्य की दृष्टि से फायदेमंद हैं और ऐसी फसलें हैं जिनकी भविष्य में मांग बढ़ेगी। ये फसलें पशुओं के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला अनाज और स्वस्थ चारा प्रदान करती हैं।

वारी/वरई/कुटकी के पोषक गुण :

ए) प्रोटीन और खनिज : इन फसलों में निम्नलिखित पोषक तत्व होते हैं। दैनिक मानव आहार की दृष्टि से यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पौष्टिक अनाज है। इससे कब्ज की समस्या नहीं होती है क्योंकि इसमें पोषक तत्वों के साथ-साथ अच्छी गुणवत्ता वाले पोषक फाइबर भी होते हैं। इस फसल में अनाज की मात्रा चावल और गेहूं के अनाज की तुलना में अधिक है। साथ ही इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम और लौह खनिज की मात्रा अधिक होती है।

ख) विटामिन : अनाज वाली फसलों की एक अन्य विशेषता इन फसलों में विटामिन की प्रचुरता है। वेरी/वैरी अनाज में थायमिन बी-१ और फोलिक एसिड की मात्रा सबसे अधिक होती है। इसका नियमित सेवन करने वाले लोगों में पाचन संबंधी विकार, हृदय रोग और मधुमेह को कम किया जा सकता है। इस अनाज से भगर, डोसा, ब्रेड, माल्ट, नूडल्स, पापड़, ड, अम्बिल, इडली, बिस्कुट जैसे खाद्य पदार्थ तैयार किये जा सकते हैं।

उन्नत खेती तकनीक: मिट्टी और जलवायु: हल्की से मध्यम, अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी इस फसल की खेती के लिए सर्वोत्तम है।



अधिक वजन आपको बना सकता है हड्डियों की बीमारी का शिकार

भारत में गठिया रोग का प्रकोप हर साल बढ़ रहा है। इस रोग के कारण जोड़ों में सूजन आ जाती है। अब युवा भी जोड़ों के दर्द का शिकार हो रहे हैं। यह बीमारी व्यक्ति के कूल्हों, हाथों और घुटनों को प्रभावित करती है। जोड़ों के दर्द के कारण कुछ मामलों में रोगी को गठिया रोग भी हो जाता है। यह रोग शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को जोड़ों पर हमला करने का कारण बनता है।

इससे शरीर में सूजन आ जाती है। वजन बढ़ना भी जोड़ों के दर्द का एक प्रमुख कारण है। जिन लोगों का बीएमआई अधिक होता है उन्हें दूसरों की तुलना में जोड़ों के दर्द का खतरा अधिक होता है। ऐसे में जोड़ों के दर्द से बचने के लिए वजन को नियंत्रण में रखना होगा। अगर वजन



एक उम्र के बाद चेहरा बूढ़ा दिखने लगता है। लेकिन कुछ लोगों के चेहरे पर कम उम्र में ही बूढ़ापा दिखने लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आपको सावधान होने की जरूरत है। क्योंकि ये सब आपकी आदतों की वजह से हो रहा है। ऐसे में आपको अपनी कुछ आदतों पर ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए आपको अपनी

रात के खाने में बिल्कुल भी न खाएं ये सब्जियां

ब्लोटिंग पेट में गैस, जकडन और बेचैनी की भावना है। ऐसे कई कारक हैं जो डींगें हांकने का कारण बन सकते हैं। जैसे कि बहुत तेजी से खाना, वसायुक्त भोजन करना, अधिक खाना, तनाव, हार्मोनल परिवर्तन, कब्ज और खाद्य संवेदनशीलता।

सूजन को प्रबंधित करने का एक प्रभावी तरीका कुछ खाद्य पदार्थों से बचना है, खासकर रात के खाने के समय जब आपका शरीर धीमा हो जाता है और भोजन को पचना अधिक कठिन होता है। ऐसे में सूजन से छुटकारा पाने के लिए क्या करें? अगर आप भी ऐसे ही सवालों का सामना कर रहे हैं तो जानिए कुछ सब्जियों के बारे में जिनका सेवन कर आप ब्लोटिंग जैसी समस्याओं से बच सकते हैं।

डिनर में इन सब्जियों को खाने से बचें



ब्रोकली एक क्रूसिफेरस सब्जी है जिसमें विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व होते हैं। हालाँकि, इसमें रैफिनोज नामक शर्करा होती है, जिसे पचना मुश्किल होता है। इससे गैस और सूजन हो सकती है। देर शाम ब्रोकली खाने से भी अप्च हो सकता है और रात की अच्छी नींद में खलल पड़ सकता है।



ब्रसेल्स स्प्राउट्स भी क्रूसिफेरस वनस्पति परिवार से संबंधित हैं और इनमें रैफिनोज होता है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, रैफिनोज को पचना मुश्किल हो सकता है और अगर सोने से पहले इसका सेवन किया



फूलगोभी अत्यधिक पौष्टिक होती है और हमें कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। हालाँकि, उनमें सल्फोराफेन नामक एक यौगिक होता है जो गैस और सूजन का कारण बन सकता है। इसमें फाइबर भी अधिक होता है जिसे पचना मुश्किल होता है।

जाए तो पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इनमें फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो गैस और सूजन का कारण बन सकता है। यदि आपको सूजन का अनुभव हो तो ब्रसेल्स स्प्राउट्स का सेवन सीमित करें या उनसे पूरी तरह बचें।



पतागोभी एक पौष्टिक और क्रूसिफेरस सब्जी है। रात के खाने में पतागोभी खाने से उच्च फाइबर और रैफिनोज के कारण गैस और सूजन हो सकती है।

स्वास्थ्य की तरह मौखिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति का मौखिक स्वास्थ्य खराब है, तो उसे स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

इसलिए जरूरी है कि मुंह की साफ-सफाई का हमेशा ख्याल रखा जाए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले मुंह साफ करने के लिए ब्रश करने की सलाह देते हैं। इससे मुंह के बैक्टीरिया और कीटाणु साफ हो जाते हैं। अगर इन हानिकारक बैक्टीरिया को साफ नहीं किया गया तो ये पेट में प्रवेश कर जाते हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोग बिना ब्रश किए ही

चाय पीना शुरू कर देते हैं, लेकिन यह आदत आपके



सर्दियों में तुरंत बंद कर दें ये आदतें, नहीं तो कम उम्र में दिखेंगे बूढ़े!

जीवनशैली में कुछ बदलाव करने की जरूरत है।

लगातार तनाव में रहना

आजकल अधिकतर लोग तनाव में रहते हैं। लेकिन हर समय तनावग्रस्त रहने का असर आपके शरीर पर भी पड़ता है। आजकल सभी लोग अलग-अलग कारणों से तनावग्रस्त रहते हैं। लेकिन एक स्तर तक तनाव ठीक है। जैसे-जैसे यह बढ़ता है इसका असर चेहरे पर दिखने लगता है। तनाव कम लें।

पर्याप्त नींद

आजकल ज्यादातर लोग देर रात तक जागते हैं। जिसके कारण लोगों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन अगर आप पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं तो इसका आपकी त्वचा पर बुरा असर पड़ सकता है। नींद कम लेने से चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं। इसलिए पर्याप्त नींद लेना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। रोजाना ७ से ८

घंटे की नींद लें।

स्वस्थ आहार लें

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों की खान-पान की आदतें बिगड़ गई हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसका असर आपकी त्वचा पर पड़ता है? ज्यादा तला-धुना और मसालेदार खाना खाने से भी उम्र बढ़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए यदि आप कम उम्र में अधिक उम्र के दिखते हैं, तो स्वस्थ आहार लें और समय पर भोजन करें।

धूम्रपान की आदत

अगर आपको धूम्रपान करने की आदत है तो समय रहते सावधान हो जाएं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि त्वचा को पर्याप्त पोषण और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। इसलिए अगर आपको धूम्रपान की आदत है तो समय रहते इसे छोड़ दें और स्वस्थ रहें।

तनाव से तुरंत राहत पाने के लिए अपनाएं ये आसान उपाय



आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर किसी को कोई न कोई टेंशन रहती है। ऑफिस में बॉस से डांट खाना और घर में पत्नी से झगडा। काम, ट्रैफिक जाम, खर्च की टेंशन और न जाने क्या-क्या। अपने स्वास्थ्य पर तनाव डालने के लिए बस एक बहाना चाहिए।

ऐसे मामलों में, अगर तनाव से राहत के लिए तुरंत कुछ नहीं किया गया, तो तनाव दिल का दौरा, स्ट्रोक या अवसाद जैसे किसी भी गंभीर खतरे को आमंत्रित कर सकता है।

अगर आप अक्सर छोटी-छोटी बातों को लेकर तनावग्रस्त हो जाते हैं तो ये उपाय आपके तनाव को क्षणिक रूप से कम करने में आपकी काफी मदद करेंगे। तनाव या टेंशन से राहत पाने के लिए इन उपायों को अपनाएं।

१० मिनट ताजा सैर करें : तनाव दूर करने और तुरंत तरोताजा होने के लिए १० मिनट की सैर से बेहतर क्या हो सकता है। किसी पार्क या बगीचे में हरी घास पर नंगे पैर चलने से आपका तनाव कम होगा और आप तरोताजा महसूस करेंगे।

व्यायाम : सीधे खड़े हो जाओ। अब नीचे झुकें और हथेलियों को जांचों पर रखें। ठुड़ी जमीन के समानांतर होनी चाहिए यानी चेहरा आगे की ओर होना चाहिए। गहरी सांस लें और छोड़ें। कुछ देर इसी अवस्था में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं। आप हल्का महसूस करेंगे।

गुब्बारा फुलाना : तनावपूर्ण स्थिति में गुब्बारा फुलाना अजीब लग सकता है, लेकिन यह तनाव से राहत दिलाने वाला एक प्रभावी व्यायाम है। इससे फेफड़ों तक ऑक्सीजन पहुंचती है और रक्त संचार बेहतर होता है।

मालिश : अपनी पीठ के बल लेट जाएं और अपनी कमर के बीच में एक टेनिस बॉल रखें। पीठ का उपयोग करके ऊपर और नीचे रोल करें। इसके अलावा सिर की मालिश तनाव दूर करने में भी कारगर है। मालिश से रक्त संचार बढ़ता है और थकान दूर होती है।

भाप प्राप्त करें : तनाव दूर करने के लिए भाप एक सरल और प्रभावी तरीका है। सादे पानी से भाप लेने या सुगंधित तेलों से भाप लेने से आप तरोताजा महसूस करेंगे।

ग्रीन टी पियें : ग्रीन टी की एक चुस्की भी आपका तनाव दूर करेगी। इससे बीटा तरंगें निकलती हैं जिससे मस्तिष्क में तनाव बढ़ता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

चेहरे की एक्सरसाइज करें : सीधे बैठें और गहरी सांस लें। मुंह के अंदर जीभ से ऊपरी हिस्से को छूने की कोशिश करें और जीभ को नीचे लाते हुए सांस छोड़ें।



केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुभारंभ किया और नागपुर शहर मनपा के विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ को केंद्रीय मंत्री मा. श्री नितिनजी गडकरी इन्होंने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री आशीष देशमुख, जिलाधिकारी डॉ.विपिन इटनकर, नगर निगम अपर आयुक्त श्रीमती आंचल गोयल, अपर आयुक्त डॉ.सुनील लहणे, उपायुक्त श्री. रवीन्द्र खेल अधिकारी डॉ.पीपूष अंबुलकर, पार्क अधीक्षक श्री अमोल चौरपगार आदि गणमान्य व्यक्ति मुख्य रूप से उपस्थित थे

एग्रो विजन एक बड़ा प्लेटफार्म



निर्मला पथरावाल
कार्यकारी निदेशक
क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया



हरीश मेहता
वरिष्ठ सलाहकार
क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया

हम किसानों की मदद करना चाहते थे पर किस तरह से करें यह सवाल आता था पर एग्रो विजन के वजह से हमें एक साथ कई राज्य और जिले की किसानों से बात करने का मौका मिला ऐसे स्वर्णिम शब्दों से क्रॉप केयर ऑफ इंडिया के वरिष्ठ सलाहकार हरीश मेहता और कार्यकारी निदेशक निर्मला पथरावाल द्वारा एग्रो विजन की खुलकर तारीफ की गयी उन्होंने कहा की एग्रो विजन एक

एग्रोविजन प्रदर्शनी में मुफ्त में बांटी जा रही है, ताकि उन्हें खरीदने में असुविधा न हो.

निर्मला पथरावाल इन्होंने कहा की कैंसर जैसे बीमारी का फैलाव सिर्फ खेतों का ही उपयोग होने से नहीं होता है तो इसके अन्य कारण भी ही जैसे तंबाखू, सिगरेट इत्यादी प्राकृतिक खेती या आर्गेनिक खेती करने से हमारा कोई नुकसान या फायदा नहीं है पर अगर किसी किसान के पास सिर्फ दो एकड़ जमीन है और वह ये प्रयोग करता और उसे फसल नहीं होती है तो वह अपने परिवार का पालन कैसे करेगा ये सोचने वाली बात है

इस पर सारा दोष रसायनिक खेतों को देकर किसान दुविधा में है यह नाराजगी भी क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया के हरीश मेहता और निर्मला पथरावाल इन्होंने जताई

आने वर्ष में भी क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया इसी तरह से किसानों को जागरूक करने का काम करते रहेगी ऐसा आश्वासन हरीश मेहता और निर्मला पथरावाल इन्होंने दिया



बहुत बड़ा प्लेटफार्म है जिसमें क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा हम किसानों को खेती के बारे में उपयुक्त चिजोंसे अवगत कर रहे .

इसके साथ ही किसान द्वारा स्वयं के स्वास्थ्य की भी खबरदारी कैसे लिया जाए इसके बारे में क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाता रहा है, जैसे पेस्ट्रीसाइड डालने के बाद हाथोंको धोना, मास्क पहनना, कोई स्किन डिसिस न हो एसलिये हैंड का उपयोग करना, सर पर टोपअ, कले चूट इत्यादि

साथ ही क्रॉप केयर फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा एक सुरक्षा कीट किसानों को



दफ्तरी एग्रो



अंकुर सिड्स





विदर्भ के किसानों को कृषि क्षेत्र में नई तकनिकों के बारे में जानकारी मिल पाये, वे अपनी उत्पादकता बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल करें और अपनी खेती को लाभकारी बनाये, इस उद्देश से केंद्रीय मंत्री श्री. नितीनजी गडकरी इनके विचारों से अग्रोक्रिजन क संकल्पना सामने आयी है।



एग्रोविजन में सहभागी सभी स्टॉल धारकों की यादी

Hall - A						
A-01 DR. BHAWASKAR TECHNOLOGY	A-83 VARNA DAIRY	A-159-161 ASTRAL Pipes	B-41 PDKV	NSCI	C-17 GODREJ AGROVET	D-21 YES BANK
A-02 URVARA KRISI	A-87 STRC	A-167 Go Vigyan	B-42 Sheti Mitra	B-119 Inera Crop	C-21 UPL	D-22 YES BANK
A-03 PADMAVATI SEEDS	A-89 SUGAM ORGANICS	A-163-165 SNM Agrotech	B-45 SN Chemical	B-125 Tata Agrico	C-23 GREAVES COTTON	D-23 TRIBAL
A-04 USAM SMART	A-91 TRIBALBAZAR	A-169 Sona Ugle Mitti	B-46 Citrus estate	B-127 BIS	C-24 PI INDUSTRIES	D-24 TRIBAL
A-05 to -09 COIR BOARD	A-93 SK PHARMA	A-171 Integrated Tribal	B-47 Figon Biotech	B-129 cwc	C-25 MAHINDRA FINANCE	D-25 SOCIAL JUSTICE OBC
A-10 to -12 MAHYCO	A-95 J V ENTERPRISES	A-173 Dehaat -Green	B-48 PRYM Solut	B-139 JCI	C-27 VNIT	D-26 SOCIAL JUSTICE OBC
A-13 SHOB HASAVI	A-103 ANANT IRRIGATION	A-175 Reddy's Dairy Soloution	B-49 PREET AGRO	B-135 Dept. Agri	C-29 COROMANDAL	D-27 SOCIAL JUSTICE VJNT
A-15 SYNERGY AGRO	A-101 LIFON HEALTH	A-177 WDRA	B-50 RAINOLEX	B-147 Biogrow	C-33 NHLML	D-28 SOCIAL JUSTICE VJNT
A-17 SHIRPUR PAPER MILLS	A-99 KAVITA G. UDYOG	A-178 GARWA	B-52 RS AGRO	B-145 IIM	C-35 ITC	D-31 - D-32 - D-33
A-19 E F POLYMER	A-97 PARADISE HONEY	A-179 GSDA	B-53 Mahi Industries	B-141-155 Govt. UP	C-11 Purti Group	D-34 NBSSLUP
A-21 AGRICUL	A-105 GALAXY SOLAR	A-181 PPV&FRA	B-55 MAIDC	B-149-151 Sudarshan Saur	C-48 Crystal Crop	D-35 CCRI
A-22 D G PUBLICATION	A-107 GRO KISAN AGROTECH	A-183 Arceus India	B-59 SLUSI	B-163-171 Arvind Steel	C-99 VH Group	D-36 CCRI
A-23 INDIAN FOODS	A-109 PUNERI SPICES	A-185 Jaikisan Agrotech	B-61 Mahatma Phule	B-169 SKR Agrotech	C-103 Aqua Exchange	D-37 CICR
A-25-39 KVIC	A-111 S K PHARMA	A-187 CB Nursery	B-63 Mahatma Phule	B-173-177 Dhanuka	C-105 BoB	D-41 DFR
A-41-45 NABARD	A-113 ALAMEENI	A-191 NathSagar	B-67-69 Maha feed	B-187 Sarswati Nursery	C-107 NCDFI	D-45 CIRCOT
A-47 TRIP CARE	A-115 ATHARVA FOODS	A-193 India Post	B-73 SASMIRA	B-185 NSDC	C-109 IDMC	D-50 IOCL
A-49 AMRD	A-117 ELLORA	A-195 Govt. Goa	B-71 Sh. Sai Ram plastic	B-189 MoES	C-111 IIL	D-51 MOT
A-51-55 NABARD	A-119 Basant Agro	A-197 VNR Seeds	B-73 SASMIRA	B-121 DRDO	C-113 NDDB	D-52 CANARA BANK
A-57 BHARAT MANDI	A-121 Poorva Chemtech	A-199 Agri Plast	B-75 Green India	B-123 VIDC	Hall - D	D-54 MANAGE
A-59 BESTEEM PHARMA	A-127 Bothara Agro	A-201 NHB	B-77 Suruchi spices	B-157 Rasi Seeds	D-01 CSIR	D-55 SBI
A-61 TRIBALBAZAR	A-129 RCF	A-203 Varad Crop	B-81 Dhana Crop Science	B-159 Patanjali	D-02 CSIR	D-57 BSNL
A-63 BIOWALL AGRI HEALTH	A-135 Emprie Spices	A-207 Krishi Kranti kendra	B-87 Growit	B-161 MADC	D-03 HASQVARNA	D-59 BAJAJ STOOLS
A-65 BALAJI PLASTIC	A-137 RC Plasto	A-209 Falcon Garden	B-89-91 Vigour Biotech	B-179 Ankur Seeds	D-04 HASQVARNA	D-61 SIDBI
A-67 GAYATRI PARIWAR	A-139 Krishak Bharat	A-213 PKM Food	B-93 Oscar Seeds	B-191 Jain Irrigation	D-05 ADMA	D-65 BAYER
A-69 ORANGE ORANGE	A-141 Agri Vijay	A-215 NABARD	B-97 Finolex Plasson	Hall - C	D-06 ADMA	D-69 PNB
A-71 DAIRY DAY	A-143 Kirshi Jagat	Hall - B	B-99 Phoenix Refrigeration	C-01 eVERSE AL	D-07 PARIJAT	D-73 NCDX
A-73 BHU SAMPADA	A-145 Pyramid Agro	B-23 Capital Foods	B-103 Baidyanath	C-03 DAFTARI SEEDS	D-08 PARIJAT	
A-75 BABA TEA	A-147 Transking	B-27 Mother Dairy	B-105 Lokmangal Biotech	C-05 FMC	D-09 INDIAN BANK	
A-79 ABHIG UDYOG	A-149-151 M Giri	B-31 MAFSU	B-109 Nuziveedu Seeds	C-09 GHARDA CHEMICALS	D-10 INDIAN BANK	
A-79 KUMAL FENCING	A-153 Kaveri Pipes	B-35 Fishery Dept. GoM	B-113-117	C-13 PURTI GROUP	D-11 - D-12	
	A-155 Animal Husbandary Z. P. Nagpur			C-14 SULPHUR MILLS	D-13 JANAKROSH	
	A-157 Tractor Seva					

